बरेली, शनिवार
5 जुलाई 2025
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 3.00
पृष्ठ 20+4=24

दैनिक जागरण

inext

PAGE NO 6 : BOTTOM

21 दिन से ज्यादा भर्ती रहा मरीज तो नहीं लिया जाएगा बेड व नर्सिंग चार्ज

250 बेड के आईसीयू के साथ एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में बनेगी ट्रामा यूनिट

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (4 July): एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में आईसीयू में 21 से ज्यादा दिनों तक भर्ती रहने वाले मरीजों से आईसीयू और नर्सिंग चार्ज नहीं लिया जाएगा. इसके साथ ही मरीजों के साथ ही यहां उपचाराधीन मरीजों के तीमारदारों को भी पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाएगा. इसके लिए उन्हें मात्र 12 रुपये खर्च करने होंगे. स्टाफ के 50 लोगों को भी 10 रुपये में भोजन मिलेगा, हालांकि इसके लिए उन्हें एक दिन पहले ऑनलाइन आवेदन करना पड़ेगा. हादसों में बढ़ती जनहानि को रोकने के लिए एसआरएमएस में जल्द ही 250 बेड के आईसीयू के साथ ट्रामा यूनिट बनाई जाएगी. जिससे अधिकतम ट्रामा के मरीजों की जान को बचाया जा सके. इसके लिए ड्रोन के सहारे उपचार उपलब्ध कराना और जरूरतमंद लोगों को उनके घरों तक आईसीयू उपलब्ध कराना शामिल है. यह घोषणा एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के 24वां स्थापना दिवस समारोह में एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति ने की. मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार को 24वां स्थापना दिवस मनाया गया. स्थापना दिवस समारोह से पहले देव मूर्ति ने अपने पिता और संस्थान के प्रेरणास्रोत स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद स्वर्गीय श्रीराम मूर्ति के चित्र पर माल्यार्पण अर्पित कर हवन पूजन किया. इस मौके पर कनेक्सस क्लब के विद्यार्थियों ने केक काटा और चेयरमैन देव मूर्ति को उनके जन्मदिन पर बधाई दी. ब्लड बैंक में भी केक काटा गया और यहां पर रक्तदान कैंप आयोजित हुआ. जिसमें गुड लाइफ हास्पिटल की डायरेक्टर ऋचा मूर्ति और ट्रामा एवं इमरजेंसी मेडिसिन के एचओडी डा. योगेश चेट्टी सहित 40 लोगों ने रक्तदान किया. सम्मान समारोह में देव मूर्ति ने कहा कि 25 वर्ष पहले हमने मेडिकल कालेज का सपना देखा उसे पूरा किया.मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति ने संस्थान में सेवारत डॉक्टर और अन्य स्टाफ सहित सभी को 24 वें स्थापना दिवस पर बधाई दी. उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य लक्ष्य चिकित्सा और शिक्षा का है और इसे हम सब लोग मिल कर पूरा कर रहे हैं. इससे पहले मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. एमएस बुटोला ने सभी का स्वागत किया और 23 वर्ष की उपलब्धियों की जानकारी दी. स्थापना दिवस कार्यक्रम के संचालन की जिम्मेदारी डा. ईरा भारद्वाज और डीन यूजी डा.बिंदु गर्ग ने निभाई.